PSC ACADEMY

INDIAN HISTORY

By RAKESH SAO

दिल्ली सल्तनत

विषय-सूची

- दिल्ली सल्तनत (1206 - 1526)
- भारत में मुस्लिम साम्राज्य की स्थापना
- वंश का संस्थापक
- मत्वपूर्ण तथ्य
- गुलाम वंश या मामलूक वंश (1206 – 1210 ई.)
- खिलजी वंश (1290 - 1320 ई.)
- तुगलक वंश (1320 – 1414 ई.)
- तुगलक वंश (1320 – 1414 ई.)
- लोदी वंश (1451 – 1526 ई.)

RAIPUR - GOL CHOCK , NEAR NIT RAIPUR
BHILAI - SMRITI NAGAR , BHILAI
CONTACT - 9302766733 , 9827112187 Prepared By RAKESH SAO

दिल्ली सल्तनत (1206 - 1526)

- 1194 ई. - चंदावर युद्ध के पश्चात् भारत में मुस्लिम शासको का साम्राज्य फ़ैल गया |

गुलाम वंश 1206 – 1290 ई.	खिलजी वंश 1290 - 1320 ई.	तुगलक वंश 1320 – 1414 ई.	सैयद वंश 1414 – 1451 ई.	लोदी वंश 1451 – 1526 ई.
कुतुबी वंश	जलालुद्दीन खिलजी 1290 – 1296 ई.	**गयासुद्दीन तुगलक** 1320 – 1325 ई.	खिज़्र खां सैयद 1414 ई.	**बहलोल लोदी** 1451 – 1489 ई.
कुतुबुद्दीन ऐबक 1206 – 1210 ई.	**अलाउद्दीन खिलजी** 1296 – 1316 ई.	**मोहम्मद बिन तुगलक** 1325 – 1351 ई.	मुबारक शाह 1421 ई.	**सिकंदर लोदी** 1489 – 1517 ई.
आरामशाह 8 माह	शिहाबुद्दीन उमर 1316 (35 दिन)	**फिरोजशाह तुगलक** 1351 – 1388 ई.	**अलाउद्दीन आलमशाह** 1398 ई.	**इब्राहीम लोदी** 1517 – 1526 ई.
शमशी वंश	कुतुबुद्दीन मुबारक 1316 – 1320 ई.	**नसीरुद्दीन महमूद तुगलक** 1398 ई.		
इल्तुतमिश 1211 – 1236 ई.	**नासिरुद्दीन खुसरो खां** 1320 ई.			
रुकनुद्दीन फिरोजशाह 1236 ई.				
रिजया सुल्तान 1236 – 1240 ई.				
मुइजुद्दीन बहरामशाह 1240 – 1242 ई.				
अलाउद्दीन महसूदशाह 1242 – 1246 ई.				
नासिरुद्दीन महमूद 1246 – 1266 ई.				
बलबनी वंश				
गयासुद्दीन बलबन 1266 – 1287 ई.				
कैकुबाद 1287 – 1290 ई.				
क्युमर्स 1290 ई.				

भारत में मुस्लिम साम्राज्य की स्थापना

- भारत में मुस्लिम का उद्गम : **1192 ई. - तराइन का द्वितीय युद्ध**
  (पृथ्वी राज चौहान Vs मोहम्मद गौरी)
- भारत में मुस्लिम शासको का साम्राज्य फ़ैल गया : **1194 ई. - चंदावर युद्ध के पश्चात्**
- मुस्लिम प्रभुत्व की वास्तविक शुरुवात : **इल्तुतमिश से**
- दिल्ली सल्तनत में सबसे कम समय तक शासन करने वाला वंश : **खिलजी वंश** (1290 – 1320 ई.) – 30 वर्ष
- दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक समय तक शासन करने वाला वंश : **तुगलक वंश** (1320-1414 ई.) – 94 वर्ष

वंश के संस्थापक

वंश	संस्थापक	राजधानी	वंश	विशेष
गुलाम वंश	कुतुबुद्दीन ऐबक	**लाहौर**	तुर्क	
कुतुबी वंश				
शमशी वंश	इल्तुतमिश	दिल्ली	तुर्क	
बलबनी वंश	गयासुद्दीन बलबन	दिल्ली	तुर्क	
खिलजी वंश	जलालुद्दीन खिलजी	दिल्ली	तुर्क	सबसे कम शासनकाल
तुगलक वंश	गयासुद्दीन तुगलक (गाजी मलिक)	दिल्ली	तुर्क	सबसे अधिक शासनकाल
सैयद वंश	खिज्र खां सैयद	दिल्ली	तुर्क	
लोदी वंश	बहलोल लोदी	दिल्ली	अफगान	भारत का प्रथम अफगान वंश

मत्वपूर्ण तथ्य

- दिल्ली सल्तनत के संस्थापक : **कुतुबुद्दीन ऐबक**
- दिल्ली सल्तनत के वास्तविक संस्थापक : **इल्तुतमिश**
- दिल्ली को सल्तनत की राजधानी के रूप में स्थापित किया : **इल्तुतमिश**

कुतुबुद्दीन ऐबक ने **लाहौर** से ही शासन किया था |

- दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक : **इल्तुतमिश**

- मुस्लिम प्रभुत्व की वास्तविक शुरुवात : **इल्तुतमिश से**
- मध्यकालीन भारत की प्रथम महिला शासिका : **रिजया सुलतान**
- दिल्ली सल्तनत का सबसे वृद्ध शासक : **जलालुद्दीन खिलजी (70 वर्ष)**
- तुर्क शासक में सबसे अधिक शासन : **फ़िरोज़ शाह तुगलक**
- दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान एवशिक्षित शासक जो खगोल शास्त्र , गणित एवआयुर्विज्ञान सहित अनेक विधायो में माहिर था : **मुहम्मद बिन तुगलक**
- साकेतिक मुद्रा का प्रचलन करने वाला दिल्ली का सुलतान : **मुहम्मद बिन तुगलक**
- होली जैसे धार्मिक त्यौहारों में भाग लेने वाला प्रथम दिल्ली सुलतान : **मुहम्मद बिन तुगलक**

  दिल्ली सल्तनत में मुहम्मद बिन तुगलक हला सुल्तान था जो हिन्दुओ के त्योहारों मुख्यत: होली में भाग लेता था | जिसके कारण बरनी ने उसकी कटु आलोचना की |

- **इब्नबतूता** (1333 – 1346 **ई.)**
  - इब्नबतूता मोरक्को मूल का अफ़्रीकी यात्री था |
  - रचना : **किताब-उल-रेहला** (इब्नबतूता की यात्रा का वर्णन)
  - इब्नबतूता **मुहम्मद बिन तुगलक** के शासनकाल (1325 – 1351 ई.) में भारत आया |
  - **मुहम्मद बिन तुगलक ने** इब्नबतूता को दिल्ली का काजी नियुक्त किया |
  - 1342 ई. – सुल्तान का दूत बनाकर चीन भेजा |

- इतिहासकार **बदायूंनी** ने **मुहम्मद बिन तुगलक** की मृत्यु र कहा
  "सुलतान को अपनी प्रजा से और प्रजा को अपने राजा से मुक्ति मिली"

- सबसे अधिक गुलाम रखने वाला सुलतान : **फिरोज शाह तुगलक**
- टोरा तथा मेरठ के दो अशोक स्तंभ को दिल्ली कौन लाया : **फिरोज शाह तुगलक**

युद्ध

वर्ष	युद्ध	किनके बीच	युद्ध जीता	विशेष
1178	माउन्ट आबू का युद्ध	मुहम्मद गौरी Vs मूलराज II (भीम II)	मूलराज II (भीम II)	
1191	तराइन का प्रथम युद्ध	मुहम्मद गौरी Vs ृथ्वी राज चौहान	ृथ्वी राज चौहान	
1192	तराइन का द्वितीय युद्ध	मुहम्मद गौरी Vs ृथ्वी राज चौहान	मुहम्मद गौरी	
1194	चंदावर का युद्ध	मुहम्मद गौरी Vs जयचंद	मुहम्मद गौरी	
1215-16	तराइन का तृतीय युद्ध	इल्तुतमिश Vs याल्दौज	इल्तुतमिश	
1518	खातोली का युद्ध	महाराणा सांगा Vs इब्राहीम लोदी	महाराणा सांगा	
1526	ानीत का प्रथम युद्ध	बाबर Vs इब्राहीम लोदी	बाबर	• दिल्ली सल्तनत व लोदी वंश समाप्त • मुग़ल वंश की स्थाना

मंगोल आक्रमण

- प्रथम मंगोल आक्रमण : **1221 ई. - चंगेज खां** (**इल्तुतमिश** के शासनकाल में)
  1221 ई. –मंगोल शासक **चंगेज खां** फारस के शासक **जलालुद्दीन मांगबरनी** का पीछा करते हुए भारत के **सिंध (सिन्धु घाटी)** तक पहुँच गया |
  मंगोल शासक **चंगेज खां** के भय से **इल्तुतमिश** ने **जलालुद्दीन मांगबरनी** की कोई सहायता नही की |

  चंगेज खां ने अपने दूत इल्तुतमिश के पास भेजे कि वह मांगबरनी की सहायता न करे, अत: इल्तुतमिश ने मांगबरनी की कोई सहायता नही की |
  1224 ई. –मांगबरनी भारत से चला गया तो इस समस्या का समाधान हो गया |

- सर्वाधिक मंगोल आक्रमण : अलाउद्दीन खिलजी
- 29 बार मंगोलों के आक्रमण को विफल किया : गयासुद्दीन तुगलक **शाह गाजी**

  गयासुद्दीन तुगलक अलाउद्दीन खिलजी का सेना पति था | गयासुद्दीन तुगलक ने 29 बार मंगोल आक्रमण को विफल किया, इसलिए वह **गाजी मलिक** के नाम से प्रसिद्द हुआ |

- 1 बार मंगोलों के आक्रमण : मोहम्मद बिन तुगलक

चालीसा (चहलगानी)

- 40 गुलामो (अमीरों) का एक दल (चालीसा) बनाया : इल्तुतमिश
  जिसमे इल्तुतमिश के गुलाम
  1. नासिरुद्दीन महमूद
  2. गयासुद्दीन बलबन
- चालीसा का दमन किया : गयासुद्दीन बलवन

नहर

- सिचाई के लिए नहरों का निर्माण करने वाला प्रथम सुल्तान : गयासुद्दीन तुगलक **शाह गाजी**
- दिल्ली का वह सुल्तान जो भारत में नहरों के बड़े जाल का निर्माण करने के लिए प्रसिद्द है : **फिरोज शाह तुगलक**

RAIPUR - GOL CHOCK , NEAR NIT RAIPUR
BHILAI - SMRITI NAGAR , BHILAI
CONTACT - 9302766733 , 9827112187
Prepared By RAKESH SAO

मकबरा

मकबरा	स्थान	निर्माता	विशेष
सुलतानगढ़ी का मकबरा	दिल्ली	इल्तुतमिश	• भारत का पहला मकबरा
कुतुबुद्दीन ऐबक का मकबरा	लाहौर		
इल्तुतमिश का मकबरा	दिल्ली		
बलबन का मकबरा	दिल्ली	**बलबन**	• **शुद्ध इस्लामी शैली** से निर्मित भारत का पहला मकबरा
शेख निजामुद्दीन औलिया का मकबरा	दिल्ली	मोहम्मद बिन तुगलक	
मुईनुद्दीन चिश्ती का मकबरा	अजमेर		
बाबर का मकबरा	काबुल (अफगानिस्तान)		
हुमायूँ का मकबरा	दिल्ली	हाजी बेगम	• भारत का पहला गुम्बद वाला मकबरा
अकबर का मकबरा	सिकंदरा (उत्तर प्रदेश)	जहाँगीर	
जहाँगीर का मकबरा	शाहदरा (पाकिस्तान)		
शाहजहाँ का मकबरा	आगरा		
औरंगजेब का मकबरा	औरंगाबाद	**औरंगजेब**	• खुद का मकबरा
बीबी का मकबरा	औरंगाबाद	औरंगजेब	• पत्नी **राबिया दुर्रानी** की स्मृति में
एतमादुद्दौला का मकबरा	आगरा	जहाँगीर , नूरजहाँ	• भारत का प्रथम **संगमरमर** का मकबरा
शेख सलीम चिश्ती का मकबरा	फतेहपुर सिकरी	अकबर	
शेरशाह सूरी का मकबरा	सासाराम (बिहार)	शेरशाह के पुत्र	झील के अन्दर
सफ़दरजंग का मकबरा	दिल्ली	शुजाउदौला	
मोहम्मद गौस का मकबरा	ग्वालियर		
तानसेन का मकबरा	ग्वालियर		

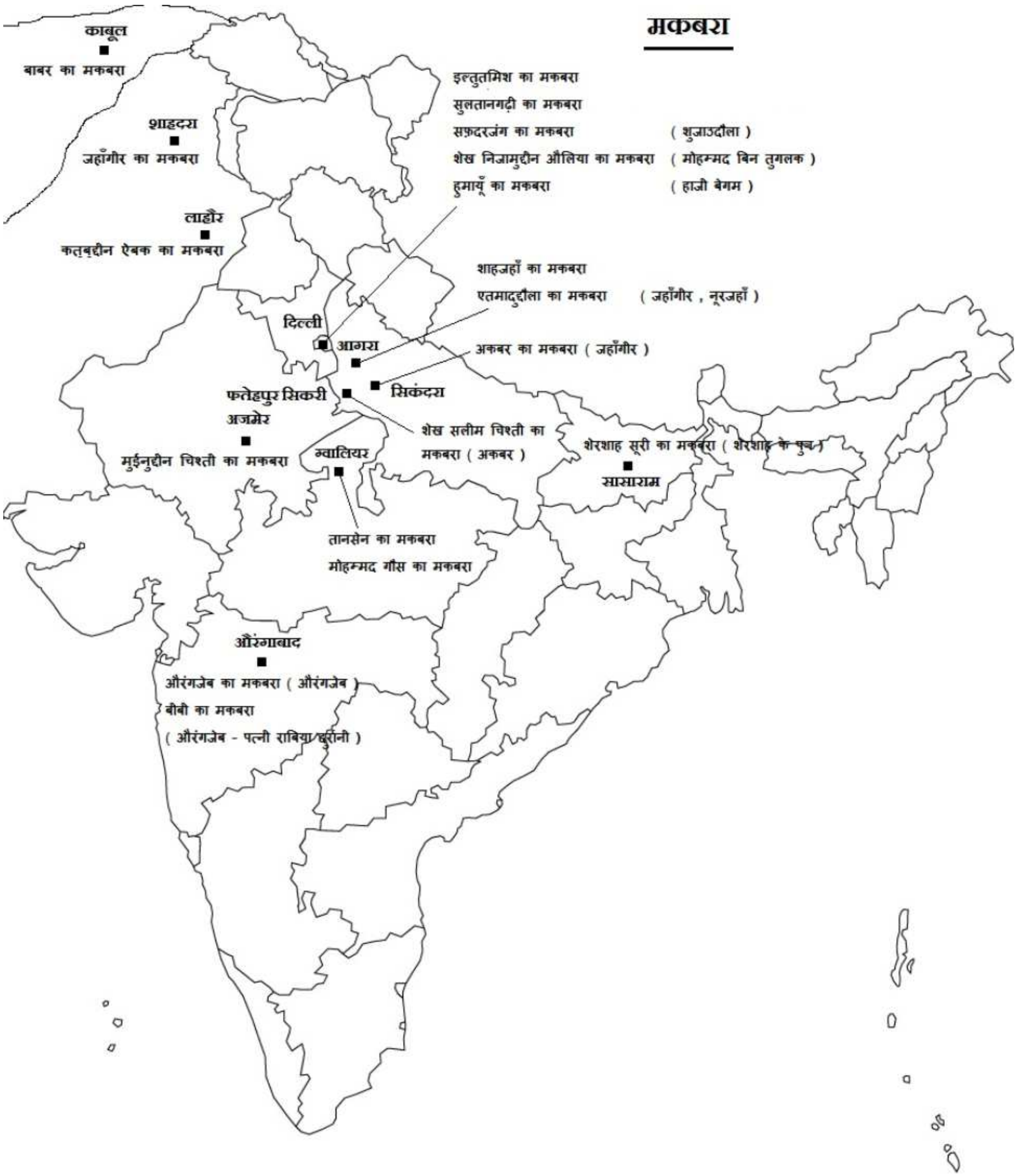

RAIPUR - GOL CHOCK , NEAR NIT RAIPUR
BHILAI - SMRITI NAGAR , BHILAI
CONTACT - 9302766733 , 9827112187 Prepared By RAKESH SAO

निर्माण

निर्माता	निर्माण	स्थान	विशेष
कुतुबुद्दीन ऐबक	कुतुबमीनार	दिल्ली	• **शेख ख्वाज़ा कुतुबुद्दीन बिख्तयार काकी** की स्मृति में नीव डाली • 5 मंजिमा भवन (ऊंचाई - 72 मी.) • **कुतुबुद्दीन ऐबक** - पहला मंजिला का निर्माण • **इल्तुतमिश** - 4 मंजिल पूरा किया • **फिरोजशाह तुगलक** - चौथी मंजिल को हानि पहुंची थी जिसपर फिरोजशाह तुगलक ने चौथी मंजिल के स्थान पर 2 और मंजिल बनवाया |
	कुव्वत-उल-इस्लाम मिस्जद	दिल्ली	• **भारत का पहला मिस्जद** • जैन मंदिर को तोड़कर
	ढाई दिन का झोपड़ा (अढाई दिन का झोपड़ा)	अजमेर	• **विग्रहराज विसलदेव - IV** द्वारा निर्मित **संस्कृत महाविधालय** को तोड़कर • यह एक मिस्जद है |
इल्तुतमिश	मोईनुद्दीन चिश्ती दरगाह	अजमेर	
	सुलतानगढ़ी का मकबरा	दिल्ली	• भारत का पहला मकबरा • अपने पुत्र की स्मृति में
	कुतुबमीनार	दिल्ली	• कुतुबमीनार का काम पूरा करवाया |
	मदरसा - ए - मुइज्जी	दिल्ली	• मुहम्मद गोरी की स्मृति में
बलबन	लाल महल	दिल्ली	
कैकुबाद	किलाखरी का दुर्ग (हरा महल)		
जलालुद्दीन खिलजी	किलाखोरी का महल		
अलाउद्दीन खिलजी	अलाई दरवाजा	दिल्ली	
	सीढ़ी का महल	राजस्थान	
	जमातखाना मिस्जद		• हजार खम्भों का महल
गयासुद्दीन तुगलक	तुगलकाबाद शहर	औरंगाबाद	

	तुगलकाबाद महल	औरंगाबाद	
मोहम्मद बिन तुगलक	दौलताबाद शहर व किला	औरंगाबाद	
	निजामुद्दीन औलिया का मकबरा	दिल्ली	
फिरोज शाह तुगलक	फिरोजशाह किला		
	हौजखाना	दिल्ली	
सिकंदर लोदी	आगरा		

शहर बसाया

शहर	**निर्माता**
दिल्ली	तोमर वंश
तुगलकाबाद (वर्तमान - औरंगाबाद)	गयासुद्दीन तुगलक
दौलताबाद (वर्तमान - औरंगाबाद)	मोहम्मद बिन तुगलक
औरंगाबाद	औरंगजेब
आगरा	1504 - सिकंदर लोदी
फतेहाबाद , हिसार , फिरोजपुर , जौनपुर , फिरोजाबाद	फिरोजशाह तुगलक

सल्तनत कालीन स्थापत्य
कुतुबमीनार - कुतुबुद्दीन ऐबक
कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद - कुतुबुद्दीन ऐबक
सुलतानगढ़ी का मकबरा - इल्तुतमिश (भारत का पहला मकबरा)
लाल महल - गयासुद्दीन बलबन
अलाई दरवाज़ा - अलाउद्दीन खिलजी
जमातखाना मस्जिद - अलाउद्दीन खिलजी
निज़ामुद्दीन औलिया का मकबरा - मोहम्मद बिन तुगलक
हौज़खाना - फिरोज शाह तुगलक
फिरोजशाह किला - फिरोज शाह तुगलक
सीढ़ी का महल - अलाउद्दीन खिलजी
अजमेर
ढाई दिन का झोपड़ा - कुतुबुद्दीन ऐबक
मोईनुद्दीन चिश्ती दरगाह - इल्तुतमिश
औरंगाबाद
तुगलकाबाद शहर - गयासुद्दीन तुगलक
तुगलकाबाद महल - गयासुद्दीन तुगलक
दौलताबाद शहर व किला - मोहम्मद बिन तुगलक

उपाधि

शासक	उपाधि	विशेष
महमूद गजनी	**गाजी**	
कुतुबुद्दीन ऐबक	लाख बख्श	• 'लाखो लोगो को देने वाला' • दानशीलता के कारण
	हातिम द्वितीय	• दयाशीलता के कारण (**मिनहाज सिराज** ने)
	कुरान खां	• कुरान का बहुत कुशल पाठक था
	चंद्रमुखी (ऐबक)	• **मोहम्मद गौरी** ने
इल्तुतमिश	नासिर-उल-मिमोनिन	• 1229 में **बगदाद के खलीफा (अल मुंत सिर बिल्लाह**) से शासन कार्यो के लिए **खिलअत** प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ | • **खिलअत** प्राप्त करने के बाद **नासिर-उल-मिमोनिन** की उपाधि धारण की | • **खिलअत** प्राप्त करने के बाद इल्तुतमिश **वैध सुलतान** तथा **दिल्ली सल्तनत का स्वतंत्र** सुलतान बना |
	सुलतान-ए-आजम	• **बगदाद के खलीफा** ने
नासिरुद्दीन महमूद	उलुग खां	• **गयासुद्दीन बलवन** ने • **1249** - गयासुद्दीन बलबन से अपनी पुत्री का विवाह **नासिरुद्दीन महमूद** से कर उसे **उलुग खां** की उपाधि दिया |
गयासुद्दीन बलवन	जिल्ले इलाही	• स्वयं
अलाउद्दीन खिलजी	सिकंदर ए शाही / द्वितीय सिकंदर सिकंदर सानी	• विश्व जीतने का स्वप्न देखा
ग्यासुद्दीन तुगलक	**गाजी**	गाजी उपाधि धारण करने वाला • विश्व में प्रथम - **महमूद गजनी** • दिल्ली सल्तनत में प्रथम - **गयासुद्दीन तुगलक**
मोहम्मद बिन तुगलक	- पागल सुल्तान - आभागा सुल्तान	

	- सृष्टि का आश्चर्य - अपने युग का आश्चर्य	
फिरोज शाह तुगलक	- सल्तनत युग का अकबर - सल्तनत युग का औरंगजेब	

सिक्का

शासक	सिक्का	विशेष
इल्तुतमिश	चांदी का टका ताम्बे का जीतल 	• प्रथम तुर्क सुलतान, जिसने **शुद्ध अरबी सिक्का** चलवाए : इल्तुतमिश • सिक्के के एक ओर बग़दाद के **खलीफा** का नाम लिखा रहता था | • सिक्के पर **टकसाल** का नाम लिखवाने की परम्परा शुरु की |
मुहम्मद बिन तुगलक	सांकेतिक मुद्रा योजना (प्रतीक मुद्रा) 	• सम्पूर्ण विश्व में चांदी की कमी हो गयी संभवत: इसलिए सांकेतिक मुद्रा चलाई गयी | - लोगो ने अपने घरो में तांबे के सिक्के बनाने शुरू कर दिए - तांबे के सिक्के की अधिकता - चांदी के सिक्के को तांबे से Exchange करने को कहा - लोगो ने रातभर और सिक्के बनाया

दरबारी कवि

क्र.	शासक	दरबारी कवि	रचना
1	**कुतुबुद्दीन ऐबक**	हसन निजामी	ताज-उल-मासिर
		फर्रुखमुद्दीर	
2	**इल्तुतमिश**	मिनहाज-उल-सिराज	
3	**गयासुद्दीन बलबन**	अमीर खुसरो	
4		अमीर हसन	
		हसन	

त्यौहार / प्रथा

निर्माता	प्रथा	विशेष
गयासुद्दीन बलबन	नवरोज	• **फ़ारसी त्यौहार नवरोज** को आरम्भ करवाया |
	सिजदा	• भूमि पर लेटकर अभिवादन करना
	पाबोस	• सुल्तान के चरणों को चूमना

तुर्क जाति

निर्माता	किस जनजाति का तुर्क
कुतुबुद्दीन ऐबक	ऐबक
इल्तुतमिश	इल्बरी
गयासुद्दीन बलबन	इल्बरी

नीति / व्यवस्थता

निर्माता	व्यवस्थता	विशेष
कुतुबुद्दीन ऐबक	पारिवारिक सम्बन्ध की नीति	• कुतुबुद्दीन ऐबक को भारत में शासन करने में सफलता मिली क्योकि उसने समकालीन शासको के साथ **पारिवारिक सम्बन्ध** स्थापित किया | • **ताजुद्दीन याल्दौज (गजनी शासक)** : कुतुबुद्दीन ऐबक ने ताजुद्दीन याल्दौज की पुत्री से विवाह किया | • **नासिरुद्दीन कुबाचा (मुल्तान शासक)** : कुतुबुद्दीन ऐबक की बहन का विवाह • **इल्तुतमीश (गुलाम व दामाद)** : कुतुबुद्दीन ऐबक की पुत्री का विवाह
इल्तुतमिश	इक्तदारी प्रथा (जमीदारी प्रथा)	
	इस्लाम शासन प्रणाली	•
	चालीसा - 40 गुलामो (अमीरों) का एक दल बनाया	•
गयासुद्दीन बलबन	लौह व रक्त की नीति	• बलबन ने अपने विरोधियों की समाप्ति के लिए लौह व रक्त की नीति (खून का बदला खून) का अनुपालन किया | • बलबन गद्दी पर बैठते ही चालीसा को नष्ट कर दिया | • उसने इल्तुतमीश परिवार के सभी सदस्यों को मरवा दिया |
	राजत्व का दैवीय सिद्धान्त	• सुल्तान का पद ईश्वर द्वारा प्रदक्त है | • सुल्तान का **निरंकुश** होना अनिवार्य है | • उपाधि - **जिल्ले इलाही** (ईश्वर का प्रतिबिम्ब)
	नियामत-ए-खुदाई (ईश्वर का प्रतिनिधि)	• सुल्तान पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि है |
	जिल्ले इलाही (ईश्वर की छाया)	
	सैन्य विभाग (दीवान ए अर्ज)	• बलबन को ही **सैन्य विभाग के संगठन** का श्रेय जाता है |

अलाउद्दीन खिलजी	नया धर्म	• अलाउद्दीन खिलजी नया धर्म चलाना चाहता था लेकिन उलेमा लोगो ने विरोध किया ।
	खालिसा भूमि	• अलाउद्दीन खिलजी ने शिक्तशाली व निरंकुश राज्य की स्थापना करने के लिए उसने उन सभी लोगो से जमीन छीन ली जो उन्हें राज्य द्वारा प्राप्त हुई थी ।
	मूल्य नियंत्रण की नीति / बाज़ार नियंत्रण की नीति / सार्वजनिक वितरण प्राणाली	• इसका उद्देश्य मंगोलों के विरुद्ध एक विशाल सेना तैयार करना था । • अलाउद्दीन ने **एक बड़ी और स्थाई सेना** रखा तथा उन्हें नग वेतन िया । ऐसा करने वाला वह िल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान था । • सेना का का खर्च कम करने के लिए अलाउद्दीन ने सेना के वेतन में कमी की परन्तु उसके सैनिक सुविधापूर्वक रह सके इसलिए उसने वस्तुओ की कीमत कम किये ।
मुहम्मद बिन तुगलक	िवान-ए-अमीर-ए-कोही	• कृषि विभाग
	राजधानी परिवर्तन	• राजधानी िल्ली से वगिरी (ौलताबा / तुगलकाबा / औरंगाबा) ले गया
फिरोज शाह तुगलक	िवान-ए-खैरात (बेरोजगार कार्यालय)	• मुस्लिम बेरोजगारों को रोजगार िलवाया • ान शाला
	ार-उल-शफा (खैराती अस्पताल)	
	ीवान-ए-बंगान	• ासो की खरेख के लिए • सल्तनत में सबसे अधिक गुलामो वाला शासक
	लोक निर्माण विभाग	• 5 नये शहरो का निर्माण फतेहाबा , हिसार , फिरोजपुर , जौनपुर , फिरोजाबा • 1200 फल के बाग़ , 40 मिस्जि , 30 विधालय , 20 महल , 100 सराए , 200 नगर , 100 अस्पताल • पुलों व **नहरों का जाल** बिछाया • फल के बाग़ : **फलो की गुणवता** को सुधरने के लिए • **अशो स्तभ** को िल्ली लाकर पुन: स्थापित किया ।
	अनुवा विभाग	• हिन्-मुस्लिम सम्प्रायों के लोगो में एक-सरे के विचारों की समझ बेहतर हो सके
	हज की व्यवस्थता	• राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्थता
सिकद्दर लोदी	गज-ए-सिकंरी	• भूमि के मापन के लिए

कर पद्धति

निर्माता	कर	विशेष
अलाउद्दीन खिलजी	जिजया	• गैर मुस्लिमो पर
	जकाता	• मुस्लिमो पर
	खराज (भूमिकर)	• उपज का 50% भूमिकर
	उस्र (सिंचाई कर)	
	घरी (गृहकर)	
	चाराई कर (दुधारू पशुओ पर)	
मुहम्मद बिन तुगलक	भूमिकर	• उपज का 50% भूमिकर
फिरोज शाह तुगलक	हक्क-ए-शर्ब (सिंचाई कर)	• भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण किया
	जिजया (ब्राम्हणों पर)	• ब्राम्हणों ने इसका विरोध किया तो जिजया कर का भुगतान करने का निर्णय दिल्ली के हिन्दुओ ने किया |
सिकंदर लोदी		• अन्न के ऊपर कर हटाया

गुलाम वंश या मामलूक वंश (1206 – 1210 ई.)

- संस्थापक - **कुतुबुद्दीन ऐबक**
- कुतुबी , शमशी तथा बलबनी वंश को मिलाकर गुलाम वंश कहा जाता है |

कुतुबी वंश (1206 – 1210 ई.)

- संस्थापक - **कुतुबुद्दीन ऐबक**
- राजधानी - **लाहौर**

कुतुबुद्दीन ऐबक (1206 – 1210 ई.)

- **1206 : लाहौर का शासक**
  - 15 मार्च 1206 - मुहम्मद गोरी की मृत्यु के बाद लाहौर का शासन संभाला
  - 25 जून 1206 - मुहम्मद गोरी की मृत्यु के 3 महीने बाद राज्याभिशेख करवाया
- **1206 - 08 : सिपहसलार व मलिक**
  - **सिपहसलार** व **मलिक** के रूप में शासन किया |
  - कुतुबुद्दीन ऐबक ने कभी भी **सुलतान** की उपाधि धारण नही की |
- **1208 : स्वतंत्र शासक बना**
  - मुहम्मद गोरी के भतीजे (उत्तराधिकारी) **गयासुद्दीन महमूद** से **दास मुक्ति पत्र** पाकर 1208 में स्वतंत्र शासक बना |
- **1210 : कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु**
  - लाहौर में पोलो (चौगान) खेलते वक्त घोड़े से गिरने के कारण इसकी मृत्यु हो गयी |
- कुतुबुद्दीन ऐबक का मकबरा - **लाहौर**

पारिवारिक सम्बन्ध की नीति

शासक	सम्बन्ध
ताजुद्दीन याल्दौज (गजनी शासक)	कुतुबुद्दीन ऐबक ने ताजुद्दीन याल्दौज की पुत्री से विवाह किया	
नासिरुद्दीन कुबाचा (मुल्तान शासक)	कुतुबुद्दीन ऐबक की बहन का विवाह
इल्तुतमीश (गुलाम व दामाद)	कुतुबुद्दीन ऐबक की पुत्री का विवाह
आरामशाह	कुतुबुद्दीन ऐबक का पुत्र

कुतुबुद्दीन ऐबक के स्थापत्य

कुतुबमीनार (दिल्ली)

- **शेख ख्वाज़ा कुतुबुद्दीन बिख्तयार काकी** की स्मृति में नीव डाली
- 5 मंजिमा भवन (ऊंचाई - 72 मी.)
- **कुतुबुद्दीन ऐबक** - पहले मजिला का निर्माण
- **इल्तुतमिश** - 4 मजिल पूरा किया
- **फिरोजशाह तुगलक** - चौथी मंजिल को हानि पहुंची थी जिसपर फिरोजशाह तुगलक ने चौथी मंजिल के स्थान पर 2 और मंजिल बनवाया |

कुव्वत-उल-इस्लाम मिस्जद (दिल्ली)

- **भारत का पहला मिस्जद**
- जैन मंदिर को तोड़कर
- 1192 - पृथ्वीराज चौहान से युद्ध विजय के बाद इसका निर्माण प्रारंभ हुआ |
- यह मिस्जद कुतुबमीनार के निकट ही स्थित है |

ढाई दिन का झोपड़ा (अजमेर)

- **विग्रहराज विसलदेव - IV** द्वारा निर्मित **संस्कृत महाविधालय** को तोड़कर
- यह एक मस्जिद है |

आरामशाह (1210 ई. – 8 माह)

- कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के बाद उनका पुत्र **आरामशाह लाहौर** का शासक बना |
- **इल्तुतमिश** (**कुतुबुद्दीन ऐबक का दामाद**) ने आरामशाह को मारकर **दिल्ली** में एक नये वंश (**शमशी वंश**) की स्थापना की |

कुतुबी वंश / मामलूक वंश (1206 - 1210 ई.)

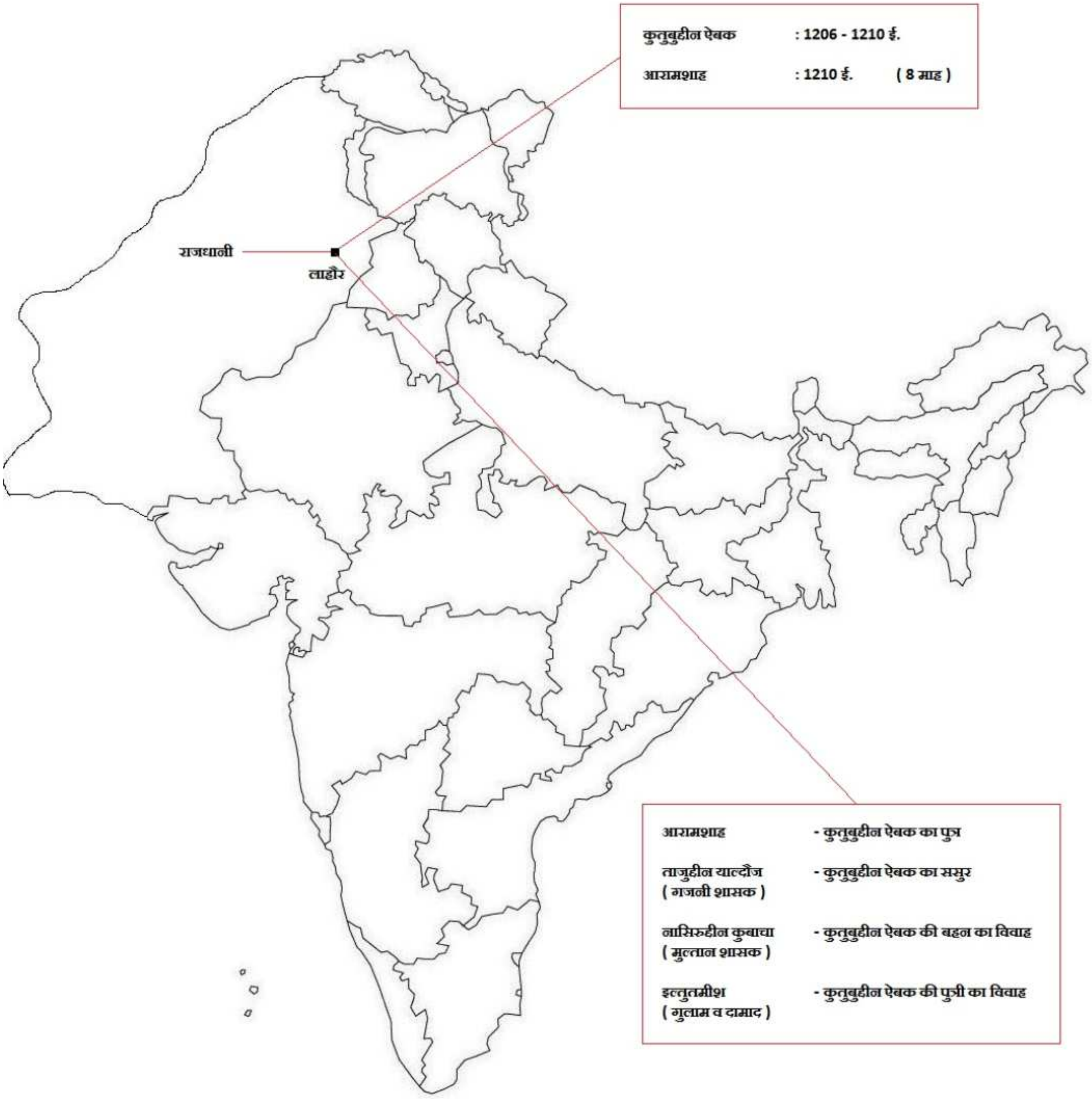

कुतुबुद्दीन ऐबक (1206 - 1210 ई.)

कुतुबुद्दीन ऐबक के स्थापत्य

कुतुबुद्दीन ऐबक के स्थापत्य

कुतुबमीनार

- शेख ख्वाज़ा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में नीव डाली
- 5 मंजिला भवन (ऊंचाई - 72 मी.)
- कुतुबुद्दीन ऐबक - पहले मंजिला का निर्माण
- इल्तुतमिश - 4 मंजिल पूरा किया
- फिरोजशाह तुगलक - चौथी मंजिल को हानि पहुंची थी जिसपर फिरोजशाह तुगलक ने चौथी मंजिल के स्थान पर 2 और मंजिल बनवाया |

कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद

- भारत का पहला मस्जिद
- जैन मंदिर को तोड़कर
- 1192 - पृथ्वीराज चौहान से युद्ध विजय के बाद इसका निर्माण प्रारंभ हुआ |
- यह मस्जिद कुतुबमीनार के निकट ही स्थित है |

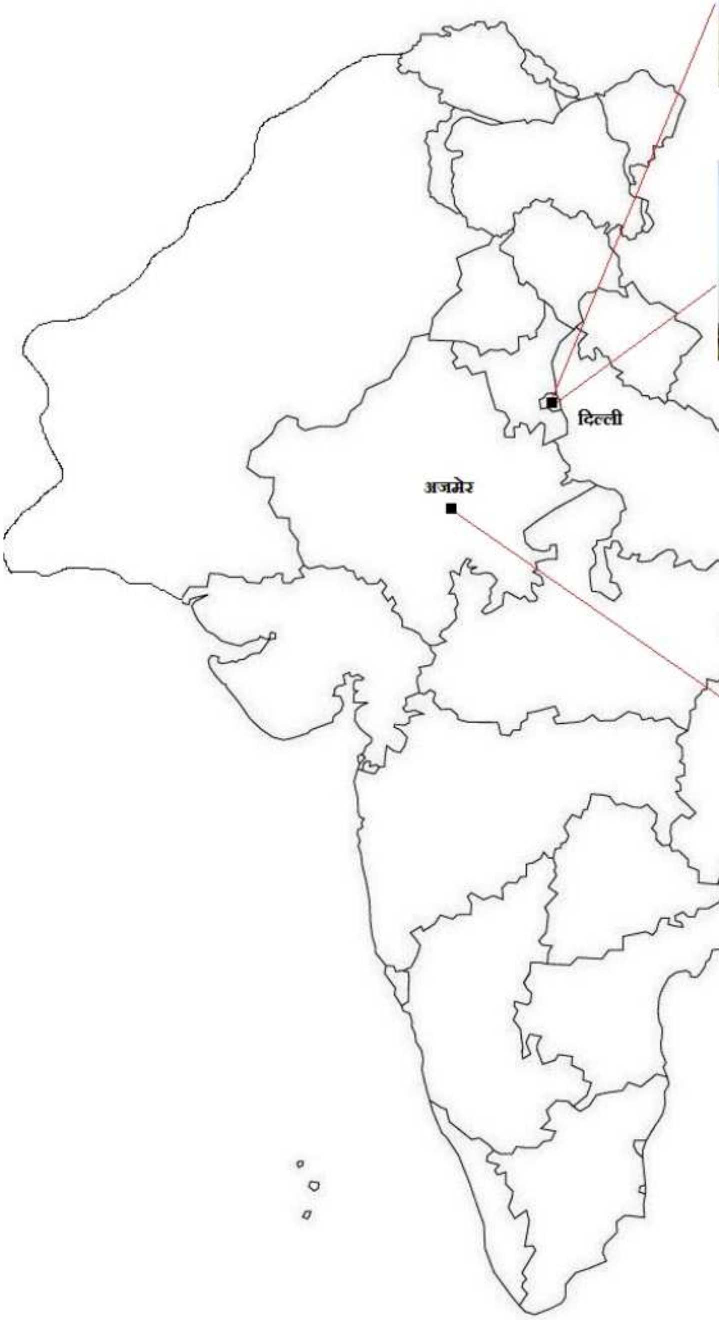

ढाई दिन का झोपड़ा

- विग्रहराज विसलदेव – IV द्वारा निर्मित संस्कृत महाविधालय को तोड़कर
- यह एक मस्जिद है |

शमशी वंश (1210 – 1266 ई.)

- संस्थापक - **इल्तुतमिश** (कुतुबुद्दीन ऐबक का दामाद)
- राजधानी - दिल्ली (दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक)

शम्सुद्दीन इल्तुतमिश (1211 – 1236 ई.)

इल्तुतमीश का परिवार

- इल्तुतमीश का पिता - **ईलाम खां** (इल्बरी जनजाति का सरदार)
- इल्तुतमीश का ससुर - कुतुबुद्दीन ऐबक
- इल्तुतमीश की पत्नी - शाहतुर्कीन
- **इल्तुतमीश के सतान**
  1. नासिरुद्दीन महमूद : सुल्तानगढ़ी का मकबरा (भारत का पहला मकबरा)
  2. रिजया सुल्तान : भारत की पहली महिला शासिका
  3. रुकुनुद्दीन फिरोजशाह : शाहतुर्कीन का शासन
  4. कुतुबुद्दीन : शाहतुर्कीन ने अंधा करके मरवा दिया
  5. मुइजुद्दीन बहरामशाह : रिजया सुल्तान तथा अल्तुनिया को मार दिया |

इल्तुतमीश के गुलाम (चालीसा)

- नासिरुद्दीन महमूद
- गयासुद्दीन बलबन

विशेष

- इल्तुतमीश का अर्थ - साम्राज्य का स्वामी
- तुर्क जनजाति - इल्बरी

कुतुबुद्दीन ऐबक का गुलाम व दामाद

- कुतुबुद्दीन ऐबक ने इल्तुतमीश को खरीदने की इच्छा प्रकट की तो सुल्तान ने दासों के व्या□ारी को आज्ञा दी कि वह इल्तुतमीश को दिल्ली लाये | दिल्ली में ही कुतुबुद्दीन ऐबक ने इल्तुतमीश को अ□ने गुलाम के रू□ में ख़रीदा |

1205 - बदायूं □ा गवर्नर

- 1205 ई. कुतुबुद्दीन ऐबक ने इल्तुतमीश को दासता से मुक्त कर ब□ायू□का गवर्नर नियुक्त किया |

12 फरवरी 1229 : सुल्तान (स्वतंत्र सल्तनत)

- इल्तुतमीश दिल्ली का प्रथम शासक था जिसने सुल्तान की उ□ाधि धारण कर स्वतंत्र सल्तनत स्था□ित किया |

चालीसा (चहलगानी)

- इल्तुतमीश ने 40 योग्य तुर्क सरदारों (गुलामो) का एक दल चालीसा (चहलगानी) का गठन किया जिसने इल्तुतमीश की सफलताओ□में अ□नी महत्व□ूर्ण भूमिका निभाई |
- चालीसा का दमन **गियासुद्दीन बलबन** ने किया |

न्यायप्रिय शास□ : इल्तुतमीश

- **संगमरमर □ी 2 शेरो □ी मूर्तियाँ**
  इल्तुतमीश एक न्याय प्रिय शासक था | इब्नबतूता के अनुसार उसने अ□ने महल मके सामने **संगमरमर □ी 2 शेरो □ी मूर्तियाँ** स्थापित कराया था जिनके गले में घंटियाँ लटकी हुई थी जिसको बजाकर कोई भी व्यिक्त न्याय मांग सकता था |
- **लाल वस्त्र** - इल्तुतमीश के शासनकाल में **न्याय चाहने** वाला व्यिक्त **लाल वस्त्र** धारण करता था |

RAIPUR - GOL CHOCK , NEAR NIT RAIPUR
BHILAI - SMRITI NAGAR , BHILAI
CONTACT - 9302766733 , 9827112187
Prepared By RAKESH SAO

शम्सुद्दीन इल्तुतमीश के स्थापत्य

सुलतानगढ़ी का मकबरा (दिल्ली)

- भारत का पहला मकबरा
- 1229 - इल्तुतमिश के पुत्र **नासिरुद्दीन महमूद** का कब्र

मोईनुद्दीन चिश्ती दरगाह (अजमेर शरीफ)

- स्थान - अजमेर
- सूफी संत मोईनुद्दीन चिश्ती का मकबरा

मदरसा –ए - मुइज्जी (दिल्ली)

- स्मृति - **मुहम्मद गोरी** की स्मृति में

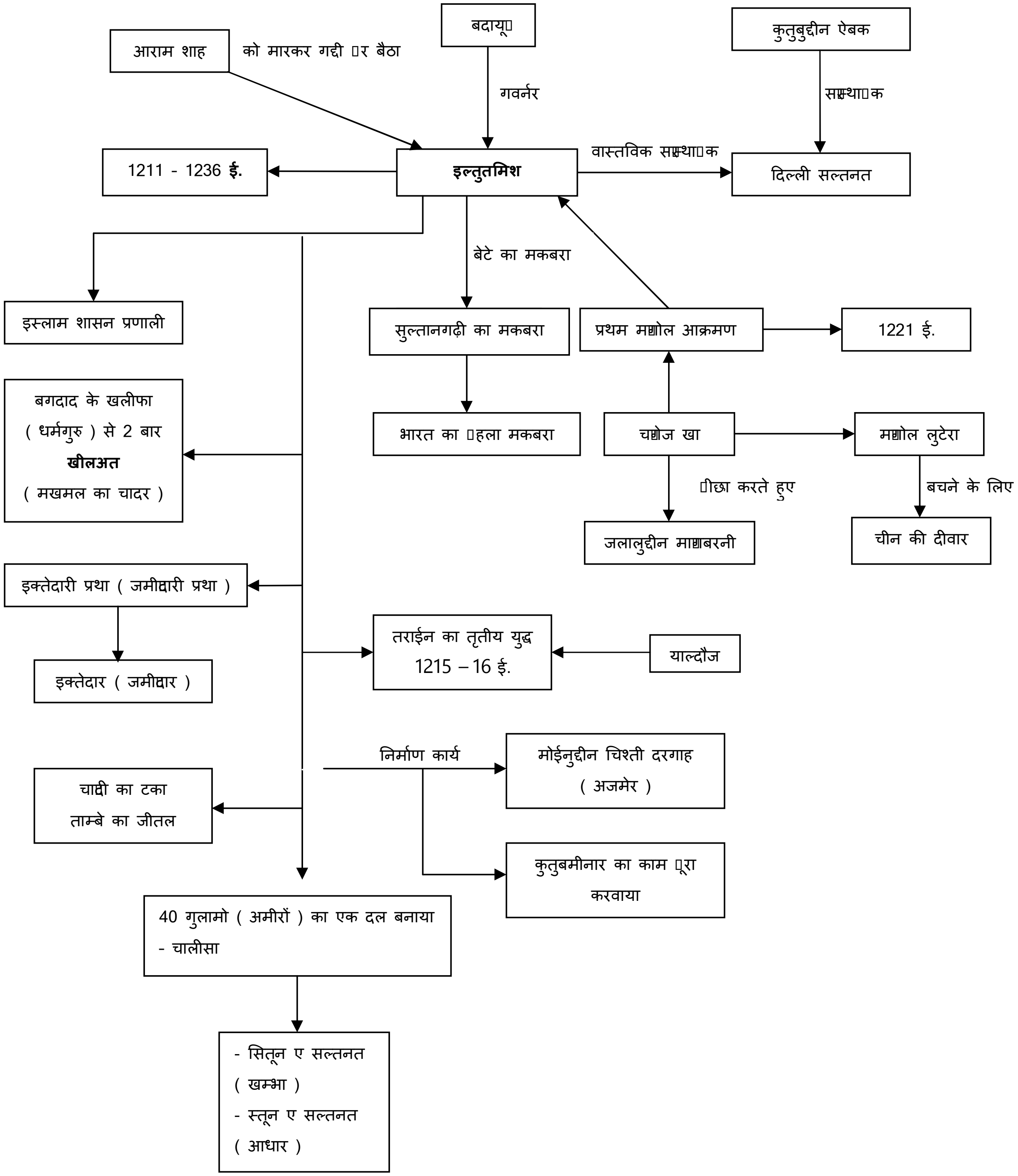
आराम शाह
को मारकर गद्दी पर बैठा
बदायूं
गवर्नर
कुतुबुद्दीन ऐबक
संस्थापक
1211 - 1236 ई.
इल्तुतमिश
वास्तविक संस्थापक
दिल्ली सल्तनत
बेटे का मकबरा
इस्लाम शासन प्रणाली
सुल्तानगढ़ी का मकबरा
प्रथम मंगोल आक्रमण
1221 ई.
बगदाद के खलीफा (धर्मगुरु) से 2 बार खीलअत (मखमल का चादर)
भारत का पहला मकबरा
चंगेज खा
मंगोल लुटेरा
पीछा करते हुए
बचने के लिए
जलालुद्दीन मांगबरनी
चीन की दीवार
इक्तेदारी प्रथा (जमींदारी प्रथा)
इक्तेदार (जमींदार)
तराईन का तृतीय युद्ध 1215 – 16 ई.
याल्दौज
निर्माण कार्य
मोईनुद्दीन चिश्ती दरगाह (अजमेर)
चांदी का टका
ताम्बे का जीतल
कुतुबमीनार का काम पूरा करवाया
40 गुलामो (अमीरों) का एक दल बनाया - चालीसा
- सितून ए सल्तनत (खम्भा)
- स्तून ए सल्तनत (आधार)

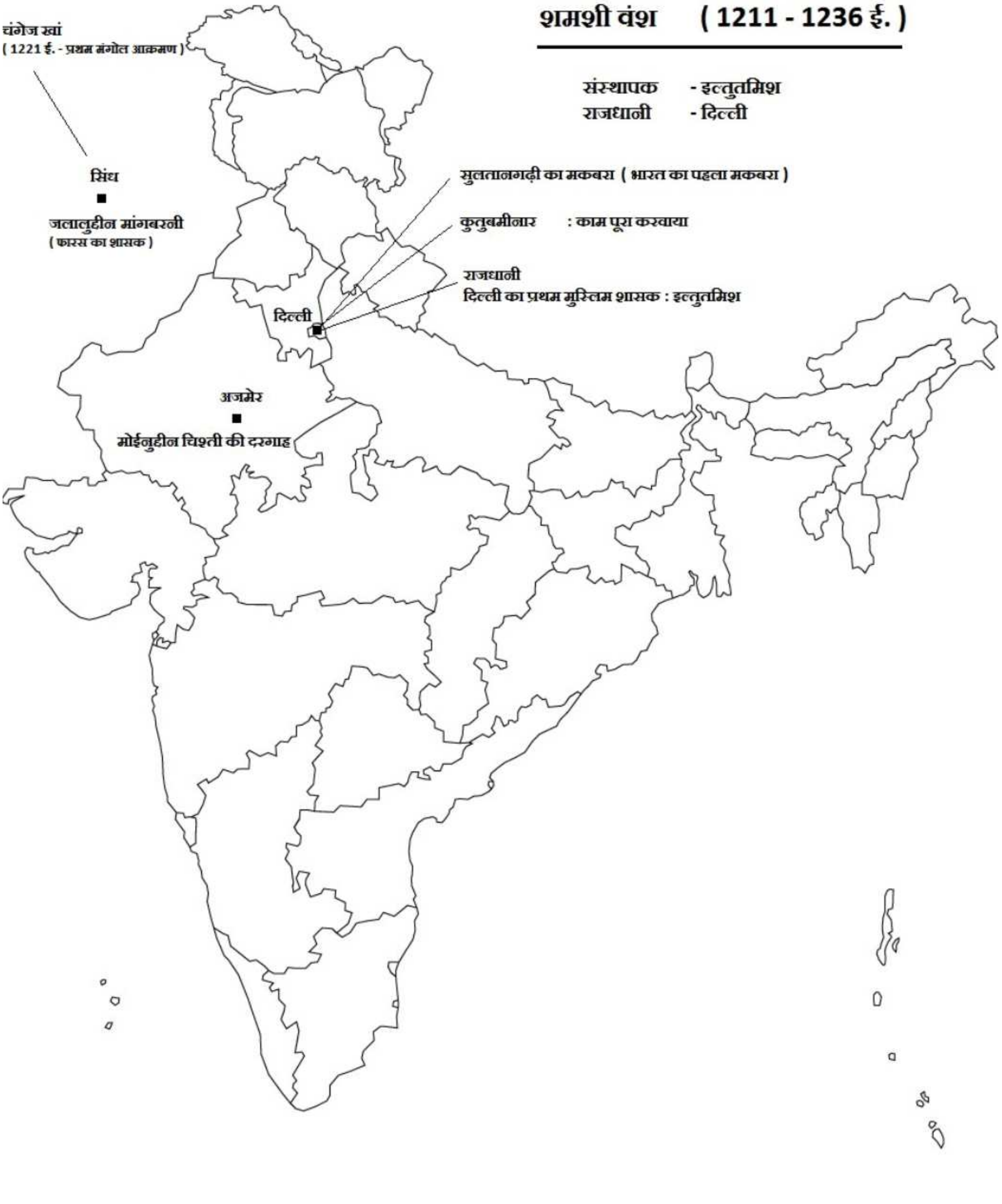
शमशी वंश (1211 - 1236 ई.)
संस्थापक - इल्तुतमिश
राजधानी - दिल्ली
चंगेज खां
(1221 ई. - प्रथम मंगोल आक्रमण)
सिंध
जलालुद्दीन मांगबरनी
(फारस का शासक)
सुलतानगढ़ी का मकबरा (भारत का पहला मकबरा)
कुतुबमीनार : काम पूरा करवाया
राजधानी
दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक : इल्तुतमिश
दिल्ली
अजमेर
मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह

शम्सुद्दीन इल्तुतमिश (1211 - 1236 ई.)

- इल्तुतमीश का अर्थ - साम्राज्य का स्वामी
- तुर्क जनजाति - इल्बरी
- पिता - ईलाम खां (इल्बरी जनजाति का सरदार)
- कुतुबुद्दीन ऐबक का गुलाम व दामाद
- 1205 - बदायूं का गवर्नर
- 12 फरवरी 1229 - सुल्तान (स्वतंत्र सल्तनत)

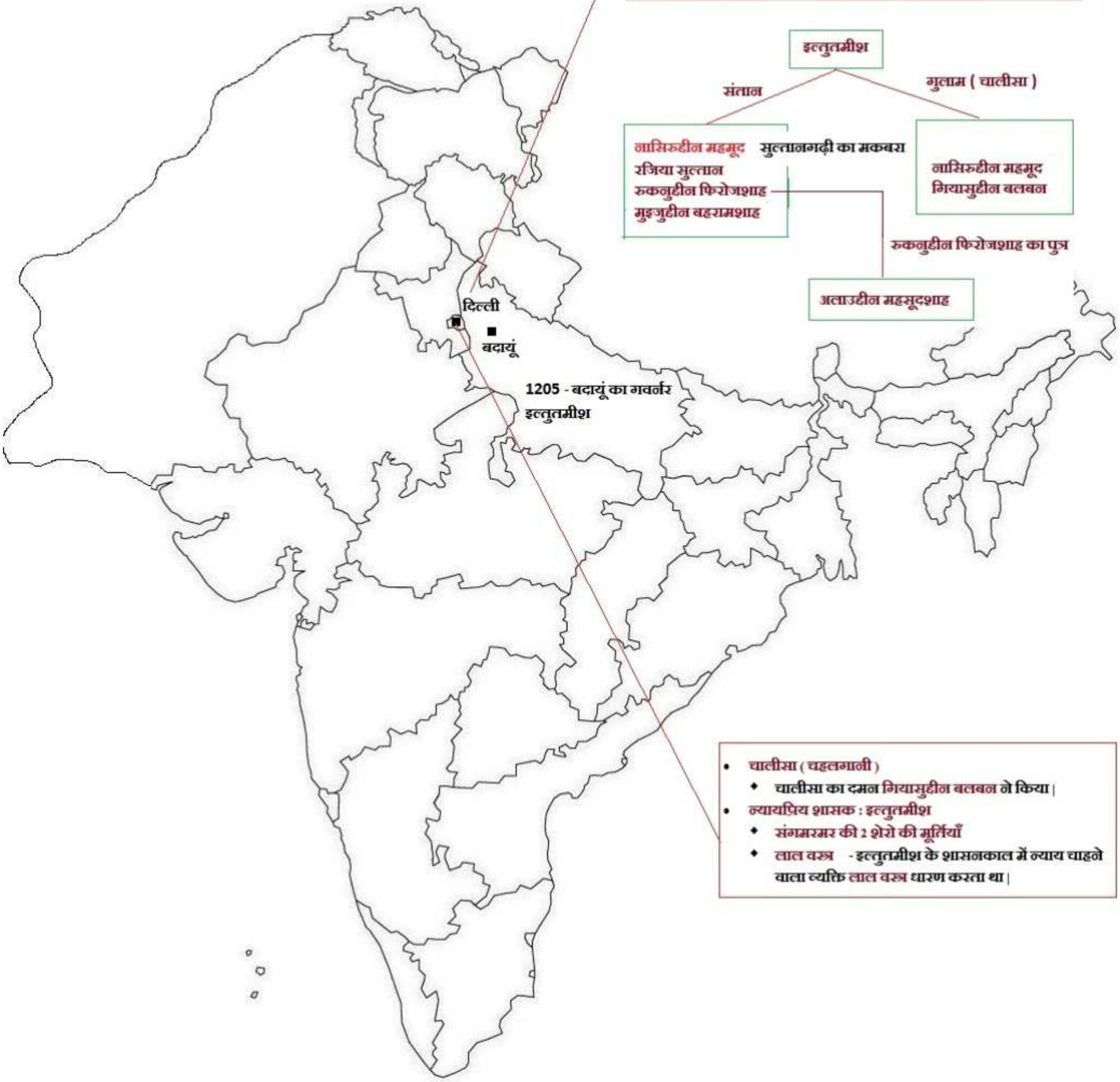

शम्सुद्दीन इल्तुतमीश में स्थापत्य

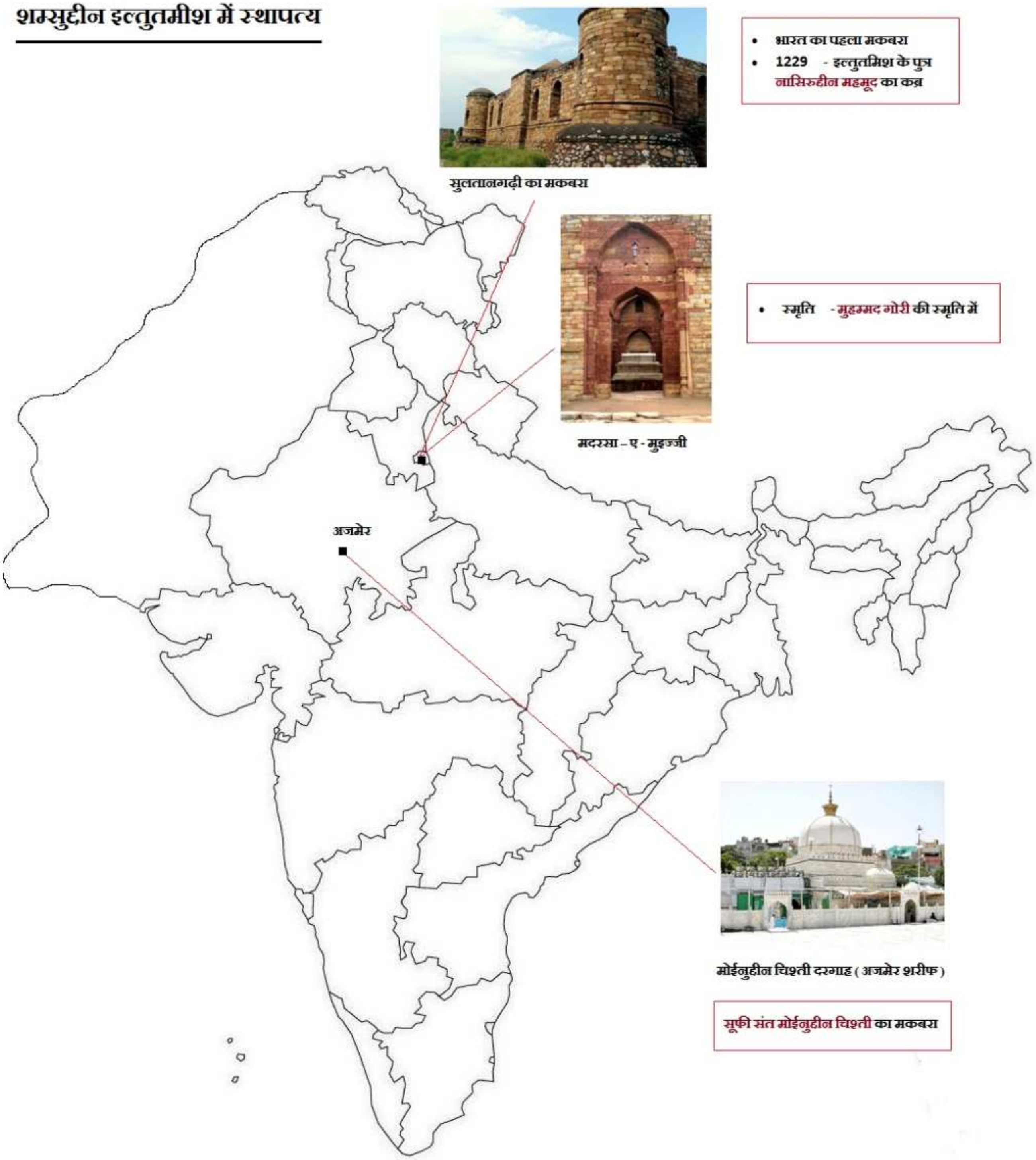

रुकुनुद्दीन फिरोजशाह (1236 ई.)

संबंध

- रुकुनुद्दीन फिरोजशाह - इल्तुतमिश का छोटा बेटा

विशेष

- **अप्रैल 1229** - इल्तुतमिश का बड़ा पुत्र **नासिरुद्दीन महमूद** (लखनौती के शासक) की अकाल मृत्यु हो गयी |
- इल्तुतमिश ने अपनी मृत्यु के पूर्व अपना राज्य अपनी पुत्री **रिजया सुल्तान** को सौंपने की इच्छा व्यक्त की थी |

शाहतुर्कन का षड्यंत्र

- शाहतुर्कन ने तुर्क अमीरों के साथ मिलकर **रुकुनुद्दीन फिरोजशाह** को शासक बनाया | रुकुनुदीन फिरोजशाह एक दुर्बल और अयोग्य शासक था |
- वास्तविक शासन **शाहतुर्कन** के हाथों में चला गया | वह एक क्रूर महिला थी |
- इल्तुतमीश के छोटे पुत्र **कुतुबुद्दीन** को अंधा करवाकर उसकी हत्या करवा दी |
- प्रशासन पर नियंत्रण ढीला पड़ गया | जनता पर अत्याचार होने लगे | रुकुनुद्दीन फिरोजशाह भोग - विलास में डूबा था |

रिजया सुल्तान का न्याय की मांग

- रिजया सुल्तान **लाल वस्त्र (न्याय की मांग का प्रतीक)** धारण कर नमाज के अवसर पर जनता के सम्मुख उपस्थित हुई |
- उसने शाहतुर्कन के अत्याचारों का वर्णन किया तथा आश्वासन दिया कि शासक बनकर वह शांति व सुव्यवस्था स्थापित करेगी |
- रिजया से तुर्क अमीर और अन्य व्यक्ति प्रभावित हो उठे |

- कुद्ध जनता ने राजमहल पर आक्रमण कर शाहतुर्कन और रुकुनुदीन फिरोजशाह को गिरफ्तार कर उन्हें मार दिया | और रिजया को सुल्तान घोषित कर दिया |

रिजया सुल्तान (1236 – 1240 ई.)

संबंध

- रिजया सुल्तान - इल्तुतमिश की बेटी
- रिजया सुल्तान का प्रेमी - जलालुद्दीन याकुत (**अबीसिनिया** निवासी एक गुलाम)
- रिजया सुल्तान का पति - अल्तुनिया (भटिंडा का गवर्नर)

विशेष

- **नवम्बर** 1236 - सुल्तान के पद पर प्रतिष्ठत हुई |
- भारत की पहली महिला शासिका
- रिजया सुल्तान प्रथम व अंतिम मुस्लिम महिला शासक थी |

वेशभूषा

- रिजया सुल्तान ने **सैनिक वेशभूषा** धारण किया |
- **पुरुष वेशभूषा** कुबा (कोट) तथा कुलाहा (टोपी) पहनकर दरबार में बैठती थी |

रिजया बेगम को पद से हटाया

- **तुर्क सरदारों** ने भटिंडा के गवर्नर **अल्तुनिया** के नेतृत्व में **जलालुद्दीन याकुत** को मार दिया और रिजया सुल्तान को पद से हटाया |
- **गयासुद्दीन बलबन** (चालीसा) ने भी तुर्क सरदारों का साथ दिया |
- रिजया ने कूटनीतिक दृष्टिकोण से **अल्तुनिया** से विवाह कर लिया |

रिजया सुल्तान की हत्या (13 अक्टूबर 1240)

- हत्या की तिथि - 13 अक्टूबर 1240
- हत्या का स्थान - कैथल
- हत्या हुई - रिजया सुल्तान तथा अल्तुनिया
- हत्यारा - **मुइज़ुद्दीन बहरामशाह** (रिजया सुल्तान के भाई)
- कारण - सत्ता को हथियाना

रिजया सुल्तान के भाई **मुइज़ुद्दीन बहरामशाह** ने रिजया सुल्तान तथा अल्तुनिया की भटिंडा से दिल्ली आते समय कैथल नामक स्थान पर हत्या कर दी और सत्ता हथिया लिया |

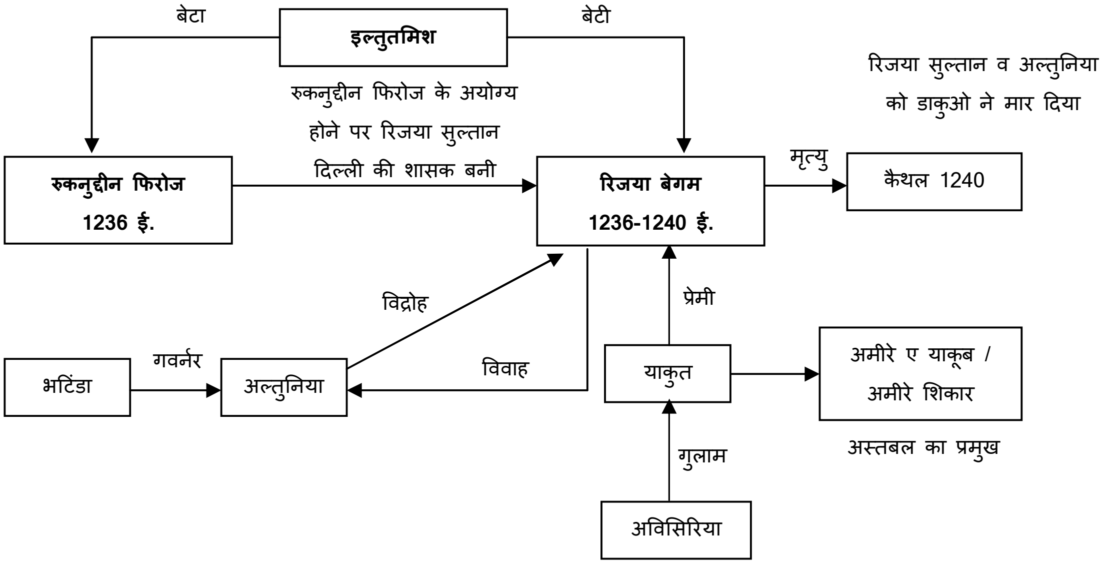

रजिया सुल्तान (1236 – 1240 ई.)

रजिया सुल्तान (1236 – 1240 ई.)

- नवम्बर 1236 - सुल्तान के पद पर प्रतिष्ठित हुई।
- भारत की पहली महिला शासिका
- रजिया सुल्तान प्रथम व अंतिम मुस्लिम महिला शासक थी।

संबंध

- रजिया सुल्तान - इल्तुतमिश की बेटी
- रजिया सुल्तान का प्रेमी - जलालुद्दीन याकुत (अबीसिनिया निवासी एक गुलाम)
- रजिया सुल्तान का पति - अल्तुनिया (भटिंडा का गवर्नर)

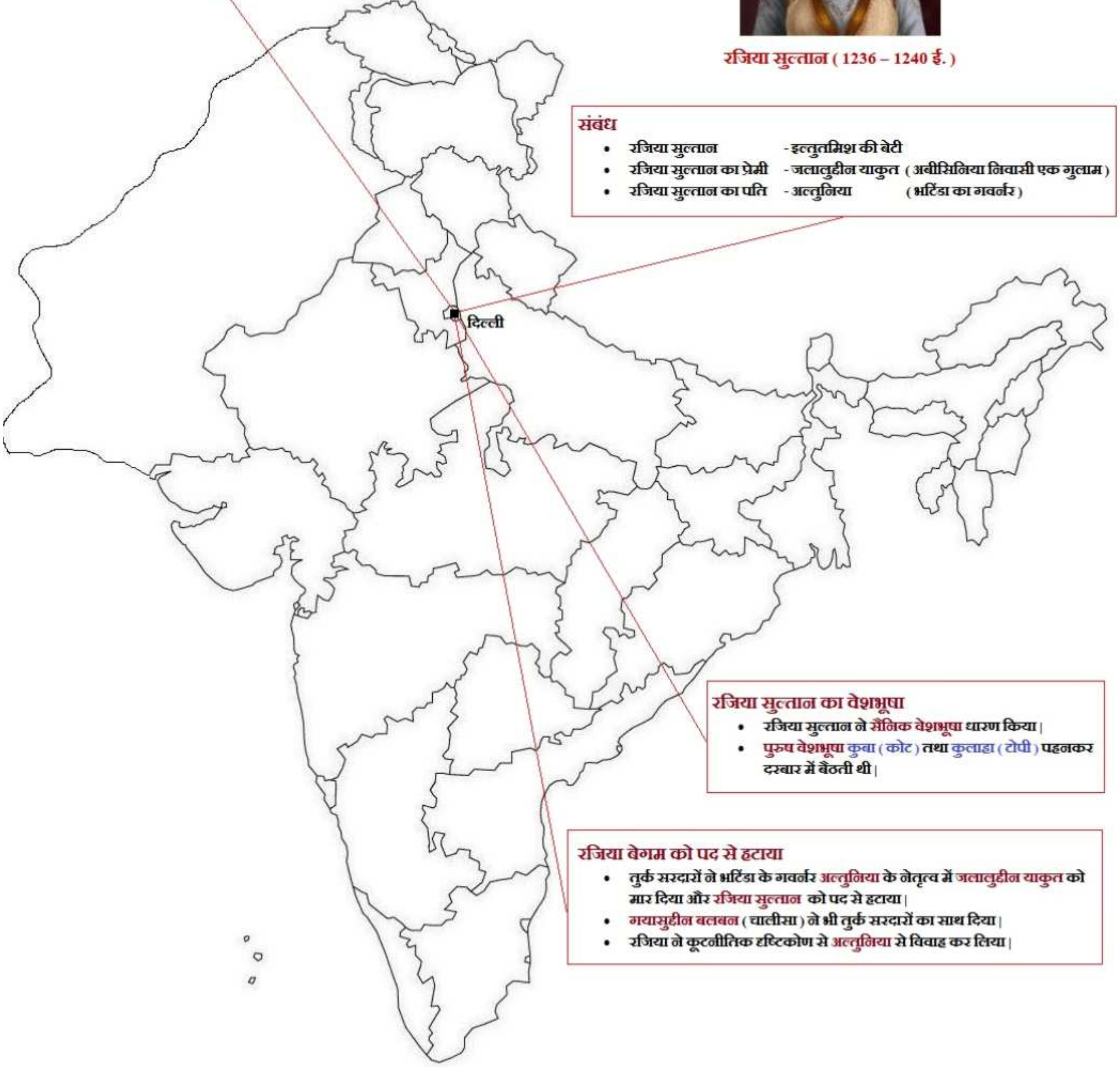

रजिया सुल्तान का वेशभूषा

- रजिया सुल्तान ने सैनिक वेशभूषा धारण किया।
- पुरुष वेशभूषा कुबा (कोट) तथा कुलाहा (टोपी) पहनकर दरबार में बैठती थी।

रजिया बेगम को पद से हटाया

- तुर्क सरदारों ने भटिंडा के गवर्नर अल्तुनिया के नेतृत्व में जलालुद्दीन याकुत को मार दिया और रजिया सुल्तान को पद से हटाया।
- गयासुद्दीन बलबन (चालीसा) ने भी तुर्क सरदारों का साथ दिया।
- रजिया ने कूटनीतिक दृष्टिकोण से अल्तुनिया से विवाह कर लिया।

रजिया सुल्तान (1236 – 1240 ई.)

रजिया सुल्तान की हत्या (13 अक्टूबर 1240)

- हत्या हुई - रजिया सुल्तान तथा अल्तुनिया
- हत्यारा - मुइज़ुद्दीन बहरामशाह (रजिया सुल्तान के भाई)
- कारण - सत्ता को हथियाना

रजिया सुल्तान के भाई मुइज़ुद्दीन बहरामशाह ने रजिया सुल्तान तथा अल्तुनिया की भटिंडा से दिल्ली आते समय कैथल नामक स्थान पर हत्या कर दी और सत्ता हथिया लिया |

मुइजुद्दीन बहरामशाह (1240 – 1242 ई.)

संबंध

- इल्तुतमिश का छोटा बेटा
- रिजया सुल्तान का भाई

विशेष

- **नाममात्र का सुल्तान** - राज्य के वास्तविक शिक्त का संचालन **चालीसा** (चालीस गुलामों का दल) ही करता था |
- 1241 - **लाहौर** पर मंगोल आक्रमण
- **13 मई 1242** - मंगोलों ने मुइज़ुद्दीन बहरामशाह की हत्या कर दिया |

मुइजुद्दीन बहरामशाह (1240 – 1242 ई.)

नाममात्र का सुल्तान

राज्य के वास्तविक शक्ति का संचालन चालीसा (चालीस गुलामों का दल) ही करता था |

मुइजुद्दीन बहरामशाह (1240 – 1242 ई.)

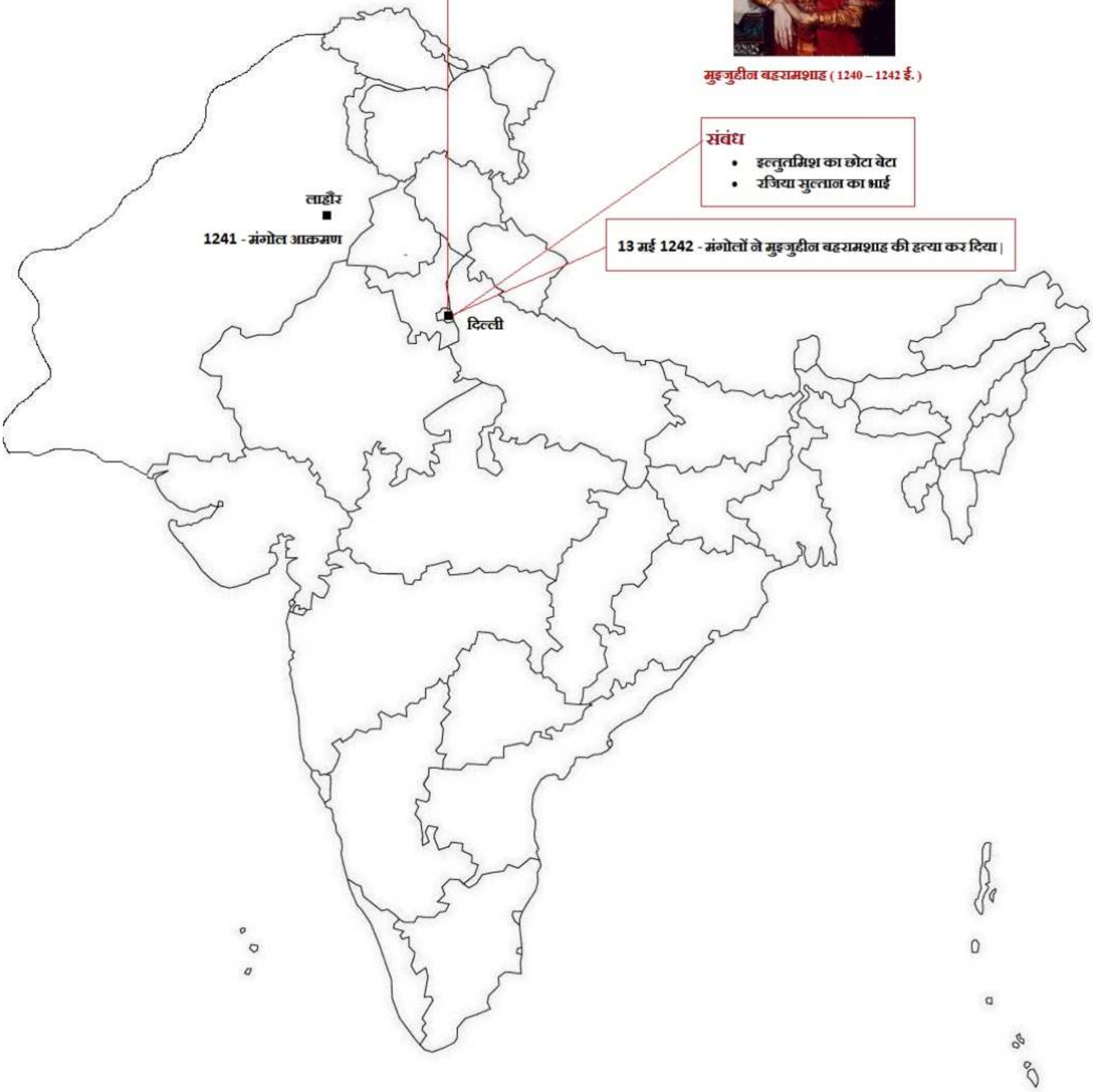

अलाउद्दीन मसूदशाह (1242 – 1246 ई.)

संबंध

- रुकुनुद्दीन फिरोजशाह का बेटा
- इल्तुतमिश का पोता

विशेष

- **नाममात्र का सुल्तान** - राज्य के वास्तविक शिक्त का संचालन चालीसा का प्रमुख **ग्यासिद्दीन बलबन** ही करता था |
- 1245 - **उच्छ** पर मंगोल आक्रमण
  ग्यासिद्दीन बलबन ने मंगोलों को हराया |

ग्यासिद्दीन बलबन □ ा षड़यंत्र (10 जून 1246)

- **10 जून 1246** - गयासुद्दीन बलबन ने अलाउद्दीन मसूदशाह को कैद कर लिया | कैदखाने में ही उसकी मृत्यु हो गयी |

अलाउद्दीन मसूदशाह (1242 – 1246 ई.)

नाममात्र का सुल्तान

राज्य के वास्तविक शक्ति का संचालन चालीसा का प्रमुख **ग्यासिहीन बलबन** ही करता था |

अलाउद्दीन मसूदशाह (1242 – 1246 ई.)

संबंध

- रुकुनुद्दीन फिरोजशाह का बेटा
- इल्तुतमिश का पोता

ग्यासिहीन बलबन का षड़यंत्र (10 जून 1246)

गयासुद्दीन बलबन ने अलाउद्दीन मसूदशाह को कैद कर लिया |
कैदखाने में ही उसकी मृत्यु हो गयी |

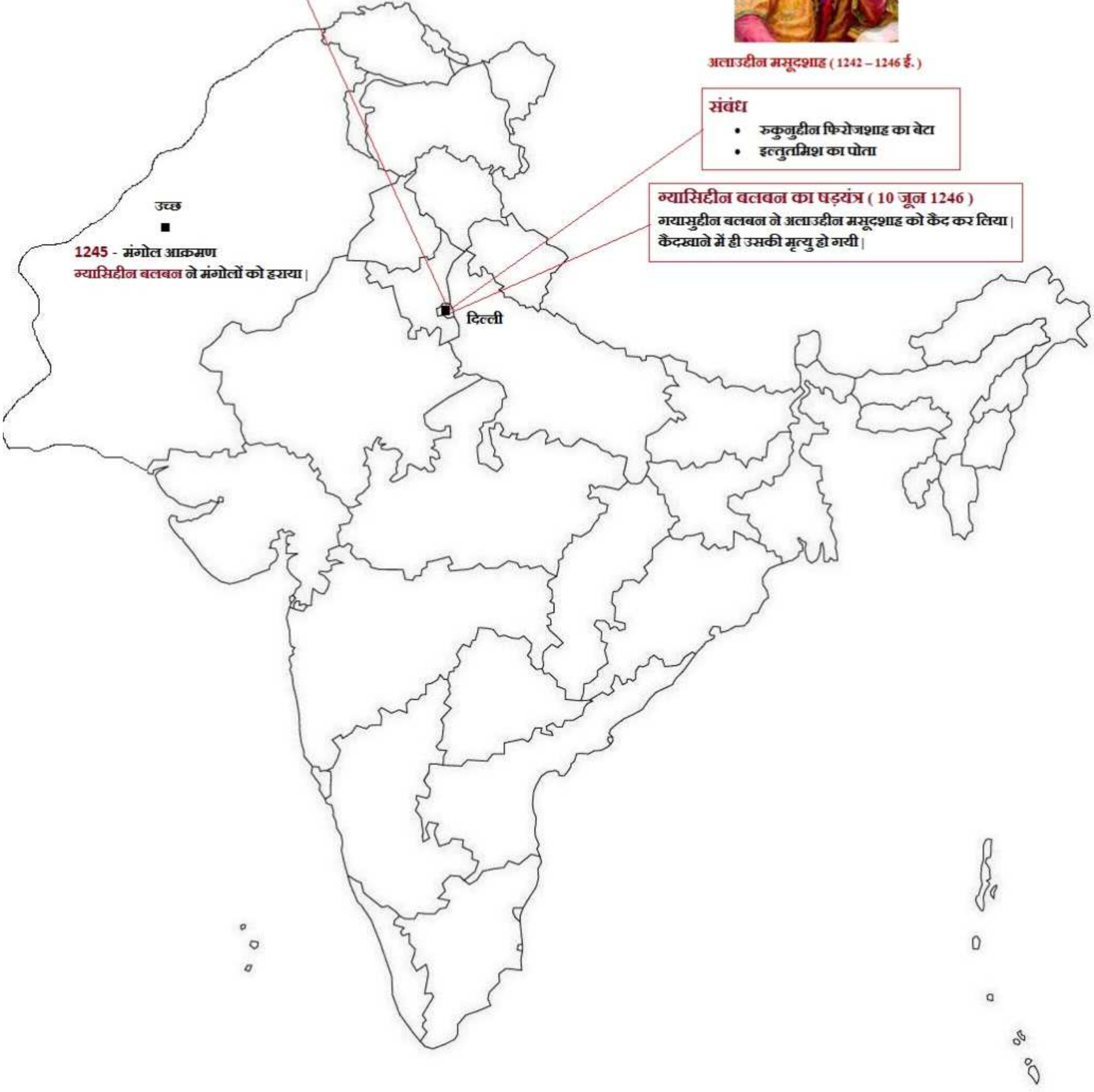

नासिरुद्दीन महमूद (1246 – 1266 ई.)

संबंध

- इल्तुतमिश का गुलाम (चालीसा)
- गयासुद्दीन बलबन का दामाद

सुल्तान का पद

- **10 जून 1246** - तुर्क अमीरों (गुलामों) द्वारा सुल्तान का पद धारण किया |
- **नाममात्र का सुल्तान**

  नासिरुद्दीन महमूद ने सारी सत्ता चालीसा के सरगना **गयासुद्दीन बलबन** के हाथों में सौप दिया | वह नाममात्र का ही शासक बनकर सन्तुष्ट हो गया | **नासिरुद्दीन महमूद** ने **गयासुद्दीन बलबन** के ही षड़यंत्र और सहयोग से सत्ता प्राप्त किया था |
- **1249** - गयासुद्दीन बलबन से अपनी पुत्री का विवाह **नासिरुद्दीन महमूद** से कर उसे **उलुग खां** की उपाधि दिया |
- **1266** - **नासिरुद्दीन महमूद** की अचानक मृत्यु के बाद **गयासुद्दीन बलबन** ने बलबनी वंश की स्थापना कर सुल्तान बना |

नासिरुद्दीन महमूद (1246 – 1266 ई.)

नाममात्र का सुल्तान

नासिरुद्दीन महमूद ने सारी सत्ता चालीसा के सरगना गयासुद्दीन बलबन के हाथों में सौंप दिया। वह नाममात्र का ही शासक बनकर संतुष्ट हो गया। नासिरुद्दीन महमूद ने गयासुद्दीन बलबन के ही षड़यंत्र और सहयोग से सत्ता प्राप्त किया था।

नासिरुद्दीन महमूद (1246 – 1266 ई.)

संबंध

- इल्तुतमिश का गुलाम (चालीसा)

सुल्तान का पद

10 जून 1246 - तुर्क अमीरों (गुलामों) द्वारा सुल्तान का पद धारण किया।

1266 - नासिरुद्दीन महमूद की अचानक मृत्यु के बाद गयासुद्दीन बलबन ने बलबनी वंश की स्थापना कर सुल्तान बना।

बलबनी वंश (1266 – 1290 ई.)

- संस्थापक - गयासुद्दीन बलबन (इल्तुतमीश का गुलाम)
- राजधानी - दिल्ली

गयासुद्दीन बलबन / बहाउद्दीन (1266 – 1287 ई.)

संबंध

- इल्तुतमिश का गुलाम (चालीसा)
- नासिरुद्दीन का ससुर
- **गयासुद्दीन बलबन के पुत्र**

  1. मुहम्मद : मुहम्मद का पुत्र - कैख़ुसरो
  2. बुगरा खां : बुगरा खां का पुत्र - कैकुबाद : कैकुबाद का पुत्र - क्युमर्स

चालीसा

- 1233 - **गयासुद्दीन बलबन** से प्रभावित होकर **इल्तुतमीश** ने उसे **ख्वाजा जलालुद्दीन** से ख़रीदा और अपने गुलामों के दल (चालीसा) में शामिल कर लिया |

विशेष

- मूल नाम - **बहाउद्दीन**
- तुर्क जनजाति - इल्बरी
- **फिरदौसी - शाहनामा : अफराशियाब वंश**

  फिरदौसी के शाहनामा में **अफराशियाब वंश** का बताया गया है |
- **1285** - **जरताल : मंगोल आक्रमण - मुहम्मद** की मंगोल आक्रमण में मृत्यु
- **1287** - अपने बड़े बेटे **मुहम्मद** की मंगोल आक्रमण में मृत्यु के बाद शोक में मृत्यु हो गयी |

बलबनी वंश (1266 – 1290 ई.)

गयासुद्दीन बलबन / बहाउद्दीन (1266 – 1287 ई.)

चालीसा

- 1233 - गयासुद्दीन बलबन से प्रभावित होकर इल्तुतमीश ने उसे ख्वाजा जलालुद्दीन से ख़रीदा और अपने गुलामों के दल (चालीसा) में शामिल कर लिया |

गयासुद्दीन बलबन / बहाउद्दीन (1266 – 1287 ई.)

संबंध

- इल्तुतमिश का गुलाम (चालीसा)
- नासिरुद्दीन का ससुर
- गयासुद्दीन बलबन के पुत्र
  1. मुहम्मद : मुहम्मद का पुत्र – कैखुसरो
  2. बुगरा खां : बुगरा खां का पुत्र – कैकुबाद
     कैकुबाद का पुत्र – क्युमर्स

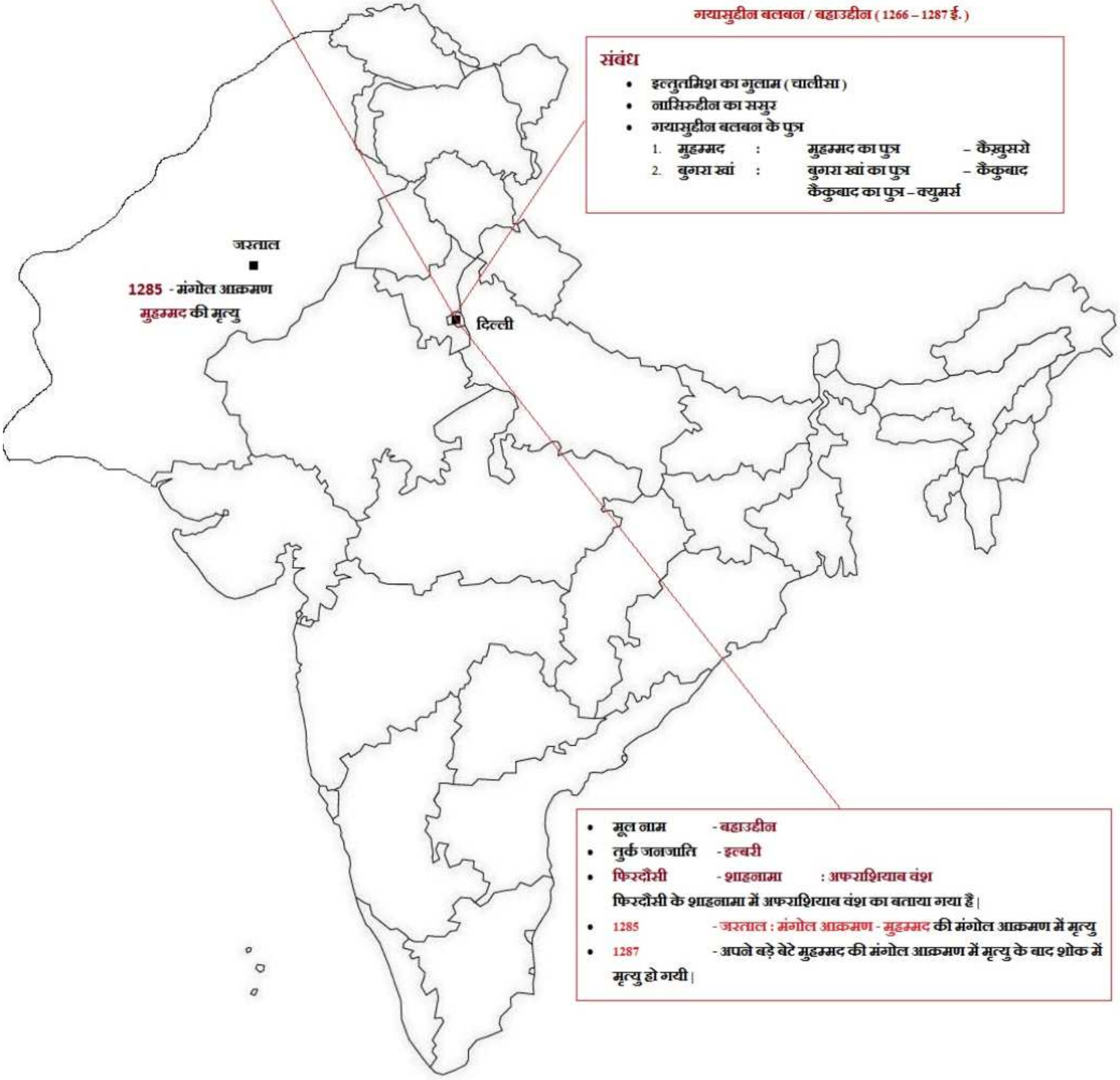

- मूल नाम - बहाउद्दीन
- तुर्क जनजाति - इल्बरी
- फिरदौसी - शाहनामा : अफराशियाब वंश
  फिरदौसी के शाहनामा में अफराशियाब वंश का बताया गया है |
- 1285 - जस्ताल : मंगोल आक्रमण - मुहम्मद की मंगोल आक्रमण में मृत्यु
- 1287 - अपने बड़े बेटे मुहम्मद की मंगोल आक्रमण में मृत्यु के बाद शोक में मृत्यु हो गयी |

RAIPUR - GOL CHOCK , NEAR NIT RAIPUR
BHILAI - SMRITI NAGAR , BHILAI
CONTACT - 9302766733 , 9827112187
Prepared By RAKESH SAO

कैकुबाद (1287 – 1290 ई.)

संबंध

- गयासुद्दीन बलबन का पुत्र - बुगरा खां
- बुगरा खां का पुत्र - कैकुबाद
- कैकुबाद का पुत्र - क्युमर्स

विशेष

- गयासुद्दीन बलबल की मृत्यु के बाद उ□ का पोता कैकुबाद को दिल्ली के कोतवाल **मालिक फखरुद्दीन** ने उ□ □ुल्तान बनाया |
- अंगरक्षक - **जलालुद्दीन खिलजी**
- **जलालुद्दीन खिलजी** ने कैकुबाद की हत्या कर उ□ यमुना नदी में फेंक दिया |

क्युमर्स (1290 ई.)

विशेष

- जन-प्रतिरोध के कारण जलालुद्दीन खिलजी ने क्युम□ को □ुल्तान बना दिया |
- 3 माह पश्चात जलालुद्दीन खिलजी ने क्युम□ की हत्या कर खिलजी वंश की स्थापना किया |

कैकुबाद (1287 – 1290 ई.)

- गयासुद्दीन बलबल की मृत्यु के बाद उसका पोता कैकुबाद को दिल्ली के कोतवाल मालिक फखरुद्दीन ने उसे सुल्तान बनाया।
- अंगरक्षक - जलालुद्दीन खिलजी
- जलालुद्दीन खिलजी ने कैकुबाद की हत्या कर उसे यमुना नदी में फेंक दिया।

कैकुबाद (1287 – 1290 ई.)

संबंध

- गयासुद्दीन बलबन का पुत्र – बुगरा खां
- बुगरा खां का पुत्र – कैकुबाद
- कैकुबाद का पुत्र – क्युमर्स

RAIPUR - GOL CHOCK , NEAR NIT RAIPUR
BHILAI - SMRITI NAGAR , BHILAI
CONTACT - 9302766733 , 9827112187
Prepared By RAKESH SAO

क्युमर्स (1290 ई.)

क्युमर्स (1290 ई.)

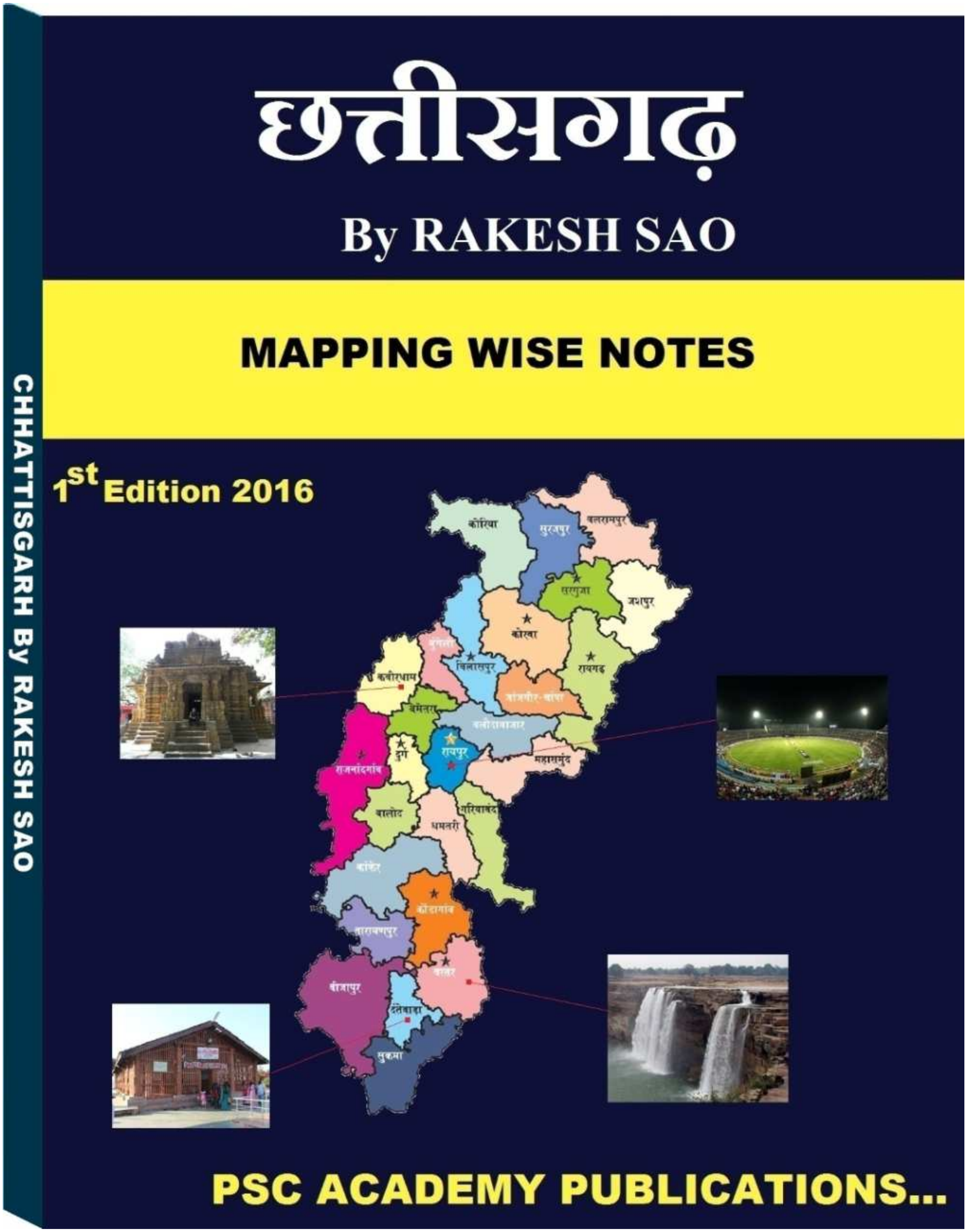
छत्तीसगढ़
By RAKESH SAO
MAPPING WISE NOTES
1st Edition 2016
CHHATTISGARH By RAKESH SAO
PSC ACADEMY PUBLICATIONS...

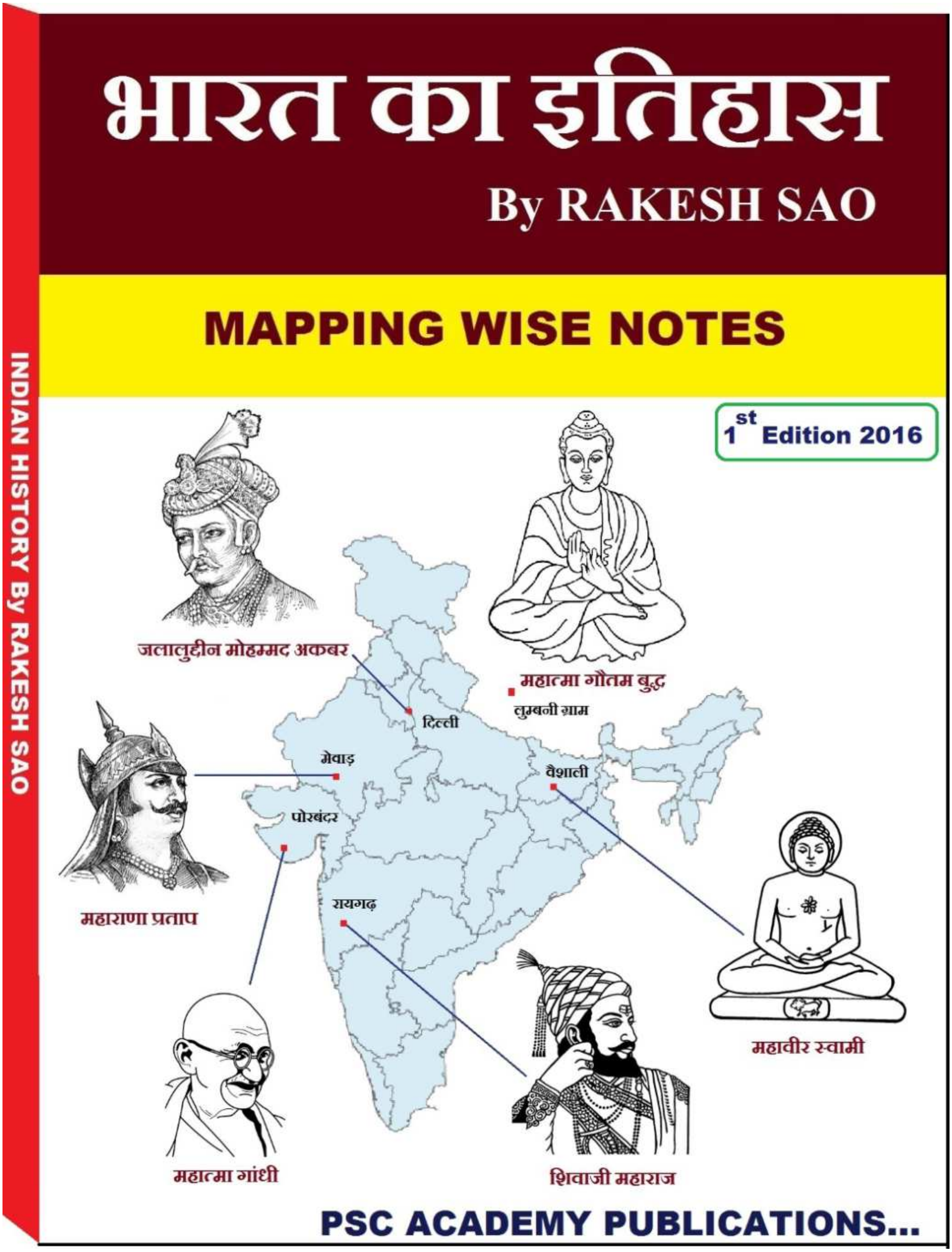
भारत का इतिहास
By RAKESH SAO
MAPPING WISE NOTES
1st Edition 2016
INDIAN HISTORY By RAKESH SAO
जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर
महात्मा गौतम बुद्ध
लुम्बनी ग्राम
दिल्ली
मेवाड़
वैशाली
पोरबंदर
रायगढ़
महाराणा प्रताप
महावीर स्वामी
महात्मा गांधी
शिवाजी महाराज
PSC ACADEMY PUBLICATIONS...

RAKESH SAO

CSE (BIT , Durg)

छत्तीसगढ़
By RAKESH SAO
MAPPING WISE NOTES
1st Edition 2016
PSC ACADEMY PUBLICATIONS...
PSC ACADEMY
RAIPUR
BESIDE DENA BANK
NEAR LALJI COFFEE HOUSE
ROHANIPUNAM, GOL CHOWK
NEAR NIT RAIPUR
CONTACT - 9827112187 , 9302766733
CGPSC PRE NEW BATCH STARTS FROM 3rd NOVEMBER
TIME - 4PM TO 6:30PM (AT RAIPUR)
TUTION FEES - FREE
STUDY MATERIAL FEES - 5000/-
KEY POINTS
* EACH SUBJECT MAPPING WISE NOTES PROVIDED
* TOPIC WISE & WEEKLY TEST
RAKESH SAO
CSE (BIT ,Durg)